Deg-2
History P-III

दिल्ली सल्तनत का विघटन - इसके कारण

(पहला दिन) ①

फिरोज तुगलक की मृत्यु होने के पूर्व ही दिल्ली सल्तनत का विघटन होने लगा। सबसे पहले फिरोज के सबसे बड़े शाहजादे मुहम्मद और वजीर खान-ए-जहाँ द्वितीय के बीच सत्ता हेतु संघर्ष चल रहा था। शाहजादा मुहम्मद सुल्तान फिरोज को अपने पक्ष में करने में कामयाब हो गया और उसने खान-ए-जहां को हटा दिया। किन्तु सुल्तान की दासों ने इस व्यवस्था को पसन्द नहीं किया। यो संघर्ष अब शुरु हुआ उसमें फिरोज ने मूर्खतापूर्वक अपने दासों का पक्ष लिया और शाहजादे मुहम्मद को हटा दिया गया। शीघ्र ही फिरोज की मृत्यु हो गई एवं उसके पुत्रों और पौत्रों के बीच राजगद्दी हथियाने के लिए संघर्ष शुरु हो गया। दासों की समूह ने सुल्तान निर्माता की भूमिका निभाने की कोशिश तो की लेकिन वह सफल नहीं हुआ। दास पराजित होकर इधर-उधर भाग गये। कई शाहजादे थोड़े-थोड़े दिनों के लिए सुल्तान बनते रहे और अंत में नासिरुद्दीन महमूद ने राजगद्दी पर अधिकार कर लिया। वह राजगद्दी पर तब तक बना रहा जब तक कि सन 1412 ई० में तुगलक राजवंश का सफाया न हो गया। इस बीच इलाकों में स्थित हाकिमों ने अपनी-अपनी स्वतंत्रता की घोषणा करनी शुरु कर दी। सबसे पहले ऐसा करनेवाला गुजरात का हाकिम था।

P.T.O

Scanned with CamScanner

उसके बाद पंजाब के खोखरों ने अपनी स्वतंत्रता घोषित की और उसके बाद मालवा एवं खानदेश की बारी आई। इस काल के दौरान विभिन्न हिन्दू सरदारों ने भू-राजस्व देना बन्द कर दिया था। ~~जिसके कारण एवं~~

दिल्ली सल्तनत के विघटन की परिणति तैमूर के हाथों हुई जिसने 1398-99 ई० में दिल्ली और उसके समीपवर्ती इलाकों को लूटा तथा तबाह कर दिया।

दिल्ली सल्तनत के पतन के लिए किसी भी एक सुल्तान को उत्तरदायी नहीं माना जा सकता है।

Scanned with CamScanner